Vol. 1; Issue 3; May-August 2023; ISSN No. 2583-6994

उत्तराखण्ड में संचालित फ्लैगशिप कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमो की जागरूकता के स्तर का अध्ययन

8

अहमद ताबिश

शोधार्थी, वाणिज्य विभाग, एम. बी. राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय हल्द्वानी, कुमाऊ विश्वविद्यालय नैनीताल, उत्तराखण्ड

E-mail: Tabish.mansoori14@gmail.com Mob. 8791424114

डॉ. पी. एन. तिवारी

प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग, सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रूद्रपुर, कुमाऊ विश्वविद्यालय, नैनीताल उत्तराखण्ड

Mob. 9897602405

सारांश

सरकार कौशल विकास को विशेष महत्व देते हुए कौशल विकास के क्षेत्र में उच्चस्तरीय योजना की रूपरेखा तैयार कर विभिन्न पहल शुरू किये है जिसमें विभिन्न नितिगत उपाय एवं समावेशी नीतियों का निर्माण किया गया है तथा वर्तमान शिक्षा को आधुनिक तकनीक तथा व्यावसायिकपरक पाठ्यक्रमों से रेखांकित कर विभिन्न योजनाओं के माध्यम से युवाओं के कौशल विकास व क्षमता निर्माण के साथ रोजगार के अवसर एवं आर्थिक लाभ सुनिश्चित कराने हेतु प्रतिबद्ध है। शोध पत्र में प्राथमिक एवं द्वितीयक समंको के विश्लेषण के आधार पर फ्लैगशिप कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जागरूकता के स्तर का अध्ययन किया गया है आकड़ो के विश्लेषण के आधार पर स्पष्ट है कि पीएमकेवीवाई के प्रति सबसे अधिक जागरूता तथा जेएसएस के प्रति कम जागरूकता दर्ज की गई है और अधिकांश युवाओं तक कौशल विकास कार्यक्रमों में पीएमकेवीवाई के अतिरिक्त अन्यो कार्यक्रमों की जागरूकता का अभाव पाया गया है।

आधार शब्द– कौशल विकास, फ्लैगशिप (शीर्षस्थ) कौशल विकास योजना, जागरूकता

प्रस्तावना

कौशल विकास को बढावा देने एवं रोजगार सृजन हेतु विविध मंत्रालयो के विभागों द्वारा संचालित योजनाओं के माध्यम से युवाओं को आर्थिक लाभ सुनिश्चित कराने के साथ सरकार

विभिन्न क्षेत्रों में न केवल तीव गति से सुधार कर रही हैं बल्कि बुनियादी ढांचे में निवेश को बढाने कि दिशा में कार्यरत है। भारत विश्व में कार्यबल का सबसे अधिक मानवपूंजी वाला देश है भारत के विशाल युवा जनसांख्यिकी को प्रशिक्षित कर भविष्य की चुनौतियो से निपटने हेतु इन्हे सही दिशा एवं अवसर की ओर अग्रसर कर स्थानीय संसाधनों, मानव शक्ति और प्रौद्योगिकियो के उपयोग से आच्छादित कर (पटेल 2022) बदलते परिवेश और तकनीकी युग में कौशल विकसित करके वर्तमान और भविष्य को सुगम बना जीवन स्तर में सुधार सम्भव है (कुरूक्षेत्र अगस्त 2022) इस उद्देश्य से कौशल विकास को विशेष स्थान देते हुए कौशल विकास के क्षेत्र में उच्चस्तरीय योजना की रूपरेखा तैयार कर विभिन्न पहल शुरू किये गये है जिनमें वृहद स्तर पर प्रदेश में विभिन्न कौशल क्षेत्रों में संचालित फ्लैगशिप अल्पावधि कौशल प्रशिक्षण योजनाए मुख्यतः

- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई)
- दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल विकास योजना (डीडीयू जीकेवाई)
- उत्तराखण्ड कौशल विकास मिशन (यूकेएसडीएम)
- ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी)
- उद्यमिता कौशल विकास कार्यक्रम (ईएसडीपी)
- जन शिक्षण संस्थान इत्यादि (जेएसएस)

वर्तमान में कौशल विकास को विशेष महत्व प्रदान करते हुए मिशन स्तर पर कार्य करने की कवायद जारी है सरकार विविध क्षेत्रो में विभिन्न योजनाओ के माध्यम से युवाओ को कौशल निपुण बनाने में प्रयासरत है इस हेतु विभिन्न नितिगत उपाय एवं समावेशी नीतियों का निर्माण किया गया है एवं वर्तमान शिक्षा को आधुनिक तकनीक तथा व्यावसायिकपरक पाठ्यक्रमों से रेखांकित कर सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से युवाओं के कौशल विकास के साथ रोजगार के अवसर प्रशिक्षण के दौरान ही सुनिश्चित करा आर्थिक उत्थान में कार्यरत है उक्त योजनाओं के माध्यम से अल्प अवधि कौशल प्रशिक्षण द्वारा युवाओं की क्षमता निर्माण के साथ हितग्राहियो को निम्न सुविधाए उपलब्ध कराई जाती हैं जिनमें मुख्यतः

- कौशल प्रशिक्षण।
- प्रशिक्षण उपरान्त रोजगार में नियोजित।
- वित्त पोषण।
- राजकीय सहायता।
- जागरूकता कार्यक्रम।
- बाजारीकरण एवं विपणन सुविधा।
- क्षेंत्र विशेषज्ञ से परामर्श सुविधा इत्यादि।

साहित्य का अध्ययन

इसा (2017) ने अपने शोध पत्र में भारतीय शिक्षा के अवलोकनार्थ व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास परिदृश्य का वर्णनात्मक विवरण के साथ निष्कर्षतः शोध पत्र स्वतन्त्रता पश्चात बुनियादी शिक्षा पर तीव गति से सुधार हुआ है परन्तु कौशल विकास पर व्यापक ध्यान केन्द्रित नही किया गया है को वर्णित किया है। **पाण्डे और नेमा (2017)** ने कौशल के विभिन्न आयामों के वर्णन के साथ कौशल कायक्रमो से लाभान्वित लाभार्थियो से समाजार्थिक परिदृश्य का अध्ययन और प्रशिक्षण के पश्चात स्वरोजगार स्थापित करने हेतु विभिन्न चुनौतियो का अध्ययन किया गया है। विभिन्न योजनाए युवाओं को कौशल के गुणो को विकसित करने हेतु स्किलिंग, रिस्किलिंग व अपस्किलिंग विभिन्न क्षेत्र/ट्रेडों में प्रशिक्षण के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर सृजित होंगे। **सक्सेना (2018)** ने कौशल विकास के सम्बध में स्किल इण्डिया मिशन की विस्तृत चर्चा करते हुए और इसके लाभो आदि को वर्णित कर निष्कर्षतः कहा है की युवाओ की सक्रिय भागीदारी अर्थव्यवस्था को बूस्ट करेगा वहीं निष्क्रिय युवाओ का परिणाम अर्थव्यवस्था को शिथिलता प्रदान करता है और योजनाए क्षमता विकास की दिशा में नए दृष्टिकोण के साथ अपने लक्षित परिणामों की दिशा में आगे बढ रहा है। **शर्मा (2021)** ने शोध अध्ययन में भारतीय कार्यबल की स्थिति के साथ कौशल प्रशिक्षण के स्थिति को वर्णित किया गया है और अध्ययन में कार्यबल की तुलना में प्रशिक्षण की कमी और कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों के तीव गति से संचालित होने भी पर अपेक्षापूर्ण रोजगार अनुपूरक नही है। **मिलवाल एवं सोमनाथे (2021)** ने अपने शोध पत्र में विभिन्न कौशल विकास से जुड़े योजनाओं को वर्णित कर कौशल की महत्ता का वर्णन किया है तथा शोध पत्र में हितधारको को जागरूक बनाने के सुझाव के साथ कहा है की श्रमशक्ति को कौशल सम्पन्न बनाने से उनकी उत्पादकता में विकास होगा।

शोध अध्ययन का उद्देश्य

उत्तरदाताओं की जनसांख्यिकीय पृष्ठभूमि का अध्ययन करना।

प्रदेश में संचालित फ्लैगशिप योजनाओं के मध्य जागरूकता के स्तर का अध्ययन करना।

शोध प्रविधि

शोध अध्ययन वर्णनात्मक प्रकृति का प्राथमिक एवं द्वितीयक संमकों के सर्वेक्षण पर आधारित है

शोध अध्ययन का क्षेत्र उत्तराखण्ड राज्य के कुल 13 जनपद दो मण्डलो में विभक्त है जिसमें गढ़वाल मण्डल मे 7 जनपद जो की 58 प्रतिशत जनसख्या का प्रतिनिधित्व करता है तथा कुमाऊ मण्डल मे 6 जनपद जो की 42 प्रतिशत जनसख्या का प्रतिनिधित्व करता है, सम्मिलित है। अतः कुमाऊ मण्डल के जनपदों को शोध अध्ययन हेतु भौगोलिक क्षेत्र के रूप में सम्मिलित किया गया है।

न्यादर्श सुविधाजनक न्यादर्श विधि से कुमाऊ मण्डल के प्रत्येक जनपद से क्रमशः 18 से 45 वर्ष आयुवर्ग के 50 उत्तरदाताओ को न्यादर्श हेतु चयन किया गया है इस हेतु नैनीताल, ऊधम सिंह नगर, अल्मोड़ा, बागेश्वर, पिथौरागढ़, चम्पावत जनपद से प्रत्येक से क्रमशः 50 न्यादर्श से कुल 300 उत्तरदाताओं को न्यादर्श के रूप में सम्मिलित किया गया है।

समंक विश्लेषण उपकरण अध्ययन हेतु संकलित किये गये समकों के विश्लेषण हेतु सांख्यिकीय उपकरण, SPSS-16 की सहायता से तथ्यों को सारणीकृत कर उनके मूल आवृति में दर्शाया गया है तथा इस हेतु प्रतिशत विधि का उपयोग किया गया है।

समंक विश्लेषण

जनसांख्यिकीय पृष्ठभूमि

तालिका संख्या 01

	उत्तरदाता	आवृति	प्रतिशत
लिंग	महिला	132	44.0
	पुरूष	168	56.0
	कुल	300	100
आयु	18–25	95	31.7
	26–35	139	46.3
	36–40	54	18.0
	41–45	12	4.0
	कुल	300	100
शिक्षा	माध्यमिक	15	5.0
	हाईस्कूल	72	24.0
	इण्टरमीडिएट	123	41.0
	स्नातक / परास्नातक	73	24.3
	अन्य	17	5.7
	कुल	300	100
व्यवसाय	विद्यार्थी	51	17.0
	नौकरी	101	33.7
	स्वरोजगार / उद्यमी	134	44.7
	ग्रहणी	14	4.7
	कुल	300	100

स्रोत –प्राथमिक आकड़े

तालिका संख्या 1 में उत्तरदाताओं की जनसांख्यिकी पृष्ठभमि को लिंग, आयु, शिक्षा, और व्यवसाय की श्रेणी में वर्गीकृत कर उनके मूल आवृति को प्रतिशत के साथ प्रदर्शित किया गया है जिसमें–

- लिंग– उपरोक्त तालिका में 300 उत्तरदाताओं में से 132 महिला जिसका प्रतिशत 34% तथा सबसे अधिक 168 पुरूष है जिसका प्रतिशत 56% है।
- आयु– इस श्रेणी में आधिकांश 139 उत्तरदाता 26–35 वर्ष आयुवर्ग की है जिसका प्रतिशत 46.3% है।
- शिक्षा–इण्टरमीडिएट श्रेणी में अधिकतम 123 उत्तरदाता संख्या है जिसका प्रतिशत 41.1% है।

% व्यवसाय– स्वरोजगार/उद्यमी की संख्या 134 सबसे अधिकतम है जिसका प्रतिशत 44.7% है।

प्रदेश में संचालित फ्लैगशिप कौशल विकास योजना के प्रति जागरूकता का स्तर

तालिका संख्या 02

निम्न फ्लैगशिप योजनाओं के बारे में जागरूकता	हाँ	प्रतिशत	नहीं	प्रतिशत	योग
प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (PMKVY)	203	67.7	97	32.3	300
दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना (DDU-GKY)	155	51.7	145	48.3	300
उत्तराखण्ड कौशल विकास मिशन (UKSDM)	162	54.0	138	46.0	300
ग्रमीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (RSETI)	122	40.7	178	59.3	300
उद्यमिता कौशल विकास कार्यक्रम (ESDP)	136	44.53	164	54.7	300
जन शिक्षण संस्थान (JSS)	119	39.7	181	60.3	300

स्रोत –प्राथमिक आकड़े

उपरोक्त तालिका संख्या 02 में प्रदेश में संचालित फ्लैगशिप कौशल विकास योजना के जागरूकता पर 300 उत्तरदातओं मे से 203 उत्तरदाता पीएमकेवीवाई के प्रति सबसे अधिक जागरूक है जिसका प्रतिशत 67.7% है तथा जेएसएस के प्रति सबसे कम 199 उत्तरदाता जागरूक है जिसका प्रतिशत 39.7% है।

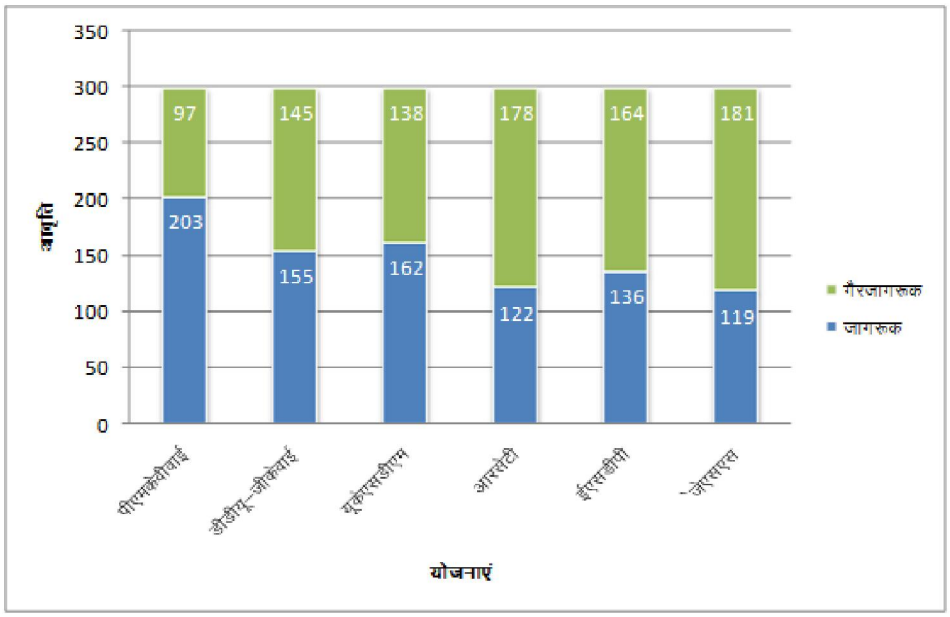

क्रॉस सारणीयन, योजनावार व लिंगवार तथा आयुवर्गवार जागरूकता का विवरण

तालिका संख्या 03

विवरण			आयु वर्ग				
			18.25	26.35	36.40	41.45	योग
पीएमकेवीवाई	महिला	हाँ	29	30	23	3	85
		नहीं	12	18	14	3	47
	कुल A		41	48	37	6	132
	पुरूष	हाँ	35	66	12	5	118
		नहीं	19	25	5	1	50
	कुल A		54	91	17	6	168
	कुल योग (A+B)		95	139	54	12	300
डीडीयू–जीकेवाई	महिला	हाँ	19	27	23	3	72
		नहीं	22	21	14	3	60
	कुल A		41	48	37	6	132
	पुरूष	हाँ	26	42	12	3	83
		नहीं	28	49	5	3	85
	कुल B		54	91	17	6	168
	कुल योग (A+B)		95	139	54	12	300

यूकेएसडीएम	**महिला**	हाँ	20	26	27	3	76
		नहीं	21	22	10	3	56
	कुल A		41	48	37	6	132
	पुरूष	हाँ	23	50	10	3	86
		नहीं	31	41	7	3	82
	कुल B		54	91	17	6	168
	कुल योग (A+B)		95	139	54	12	300
आरसेटी	**महिला**	हाँ	13	23	11	2	49
		नहीं	28	25	26	4	83
	कुल A		41	48	37	6	132
	पुरूष	हाँ	15	49	5	4	73
		नहीं	39	42	12	2	95
	कुल B		54	91	17	6	168
	कुल योग (A+B)		95	139	54	12	300
ईएसडीपी	**महिला**	हाँ	14	25	12	3	54
		नहीं	27	23	25	3	78
	कुल A		41	48	37	6	132
	पुरूष	हाँ	25	47	5	5	82
		नहीं	29	44	12	1	86
	कुल B		54	91	17	6	168
	कुल योग (A+B)		95	139	54	12	300
जेएसस	**महिला**	हाँ	14	18	21	2	55
		नहीं	27	30	16	4	77
	कुल A		41	48	37	6	132
	पुरूष	हाँ	15	34	13	2	64
		नहीं	39	57	4	4	104
	कुल B		54	91	17	6	168
	कुल योग (A+B)		95	139	54	12	300

स्रोत –प्राथमिक आकड़े

उपरोक्त तालिका संख्या 3 कौशल विकास योजनाओं के प्रति जागरूकता के सम्बध में लिंग का आयुवर्ग के बीच विस्तृत विवरण है, इस तालिका से यह निष्कर्ष निकलता है कि

योजनावार सबसे अधिक जागरूक पीएमकेवीवाई के प्रति 118 पुरूष है जो कि अधिकतम 36 से 35 वर्ष आयुवर्ग की है जिसकी सख्या 66 है तथा सबसे कम जागरूकता की संख्या जेएसएस के प्रति है जिसमें 55 महिलाए है जो कि अधिकमत 36 से 40 वर्ष आयुवर्ग की जागरूक है तथा लिंगवार में सबसे अधिक महिला गैरजागरूक आरसेटी के प्रति है जिसकी संख्या 49 है तथा पुरूषो में जेएसएस के प्रति है जिसकी संख्या 104 है।

क्रॉस सारणीयन, योजनावार जागरूकता का विवरण लिंगवार तथा शैक्षिकस्तर से

तालिका संख्या 04

विवरण			शैक्षिक स्तर					योग
			माध्यमिक	हाईस्कूल	इण्टरमीडिएट	स्नातक/ परास्नातक	अन्य	
पीएमकेवीवाई	महिला	हाँ	4	22	28	26	5	85
		नहीं	3	14	17	10	3	47
	कुल A		7	36	45	36	8	132
	पुरूष	हाँ	6	21	54	30	7	118
		नहीं	2	15	24	7	2	50
	कुल B		8	36	78	37	9	168
	कुल योग (A+B)		15	72	123	73	17	300
डीडीयू–जीकेवाई	महिला	हाँ	3	22	28	15	4	72
		नहीं	4	14	17	21	4	60
	कुल A		7	36	45	36	8	132
	पुरूष	हाँ	6	18	42	16	1	83
		नहीं	2	18	36	21	8	85
	कुल B		8	36	78	37	9	168
	कुल योग (A+B)		15	72	123	73	17	300
यूकेएसडीएम	महिला	हाँ	3	21	29	20	3	76
		नहीं	4	15	16	16	5	56
	कुल A		7	36	45	36	8	132
	पुरूष	हाँ	7	16	33	25	5	86
		नहीं	1	20	45	12	4	82
	कुल B		8	36	78	37	9	168
	कुल योग (A+B)		15	72	123	73	17	300

आरसेटी	महिला	हाँ	3	16	17	10	3	49
		नहीं	4	20	28	26	5	83
	कुल A		7	36	45	36	8	132
	पुरूष	हाँ	1	18	31	18	5	73
		नहीं	7	18	47	19	4	95
	कुल B		8	36	78	37	9	168
	कुल योग (A+B)		15	72	123	73	17	300
ईएसडीपी	महिला	हाँ	4	14	19	13	4	54
		नहीं	3	22	26	23	4	78
	कुल A		7	36	45	36	8	132
	पुरूष	हाँ	0	21	37	19	5	82
		नहीं	8	15	41	18	4	86
	कुल B		8	36	78	37	9	168
	कुल योग (A+B)		15	72	123	73	17	300
जेएसएस	महिला	हाँ	1	18	18	16	2	55
		नहीं	6	18	27	20	6	77
	कुल A		7	36	45	36	8	132
	पुरूष	हाँ	5	14	30	11	4	64
		नहीं	3	22	48	26	5	104
	कुल B		8	36	78	37	9	168
	कुल योग (A+B)		15	72	123	73	17	300

स्रोत –प्राथमिक आकड़े

उपरोक्त तालिका संख्या 4 कौशल विकास योजनाओं के प्रति जागरूकता के सम्बध में लिंग का शैक्षिक स्तर के बीच विस्तृत विवरण है जिसमें इस तालिका से यह निष्कर्ष निकलता है कि 300 उत्तरदाताओ में सबसे अधिक जागरूक पीएमकेवीवाई के प्रति 118 पुरूष, इण्टरमीडिएट श्रेणी के है जिसकी सख्या 54 है तथा सबसे कम जागरूक जेएसएस के प्रति 55 महिला, हाईस्कूल और इण्टरमीडिएट श्रेणी की है जिसकी संख्या क्रमशः 18, 18 जो इस श्रेणी में अधिकतम जागरूक है।

क्रॉस सारणीयन योजनावार जागरूकता का विवरण लिंग का व्यवसाय से

तालिका संख्या 05

विवरण			व्यवसाय				योग
			नौकरी	स्वरोजगार / उद्यमी	ग्रहणी	विद्यार्थी	
पीएमकेवीवाई	महिला	हाँ	15	54	3	13	85
		नहीं	14	27	0	6	47
	कुल A		29	81	3	19	132
	पुरूष	हाँ	58	32	8	20	118
		नहीं	14	21	3	12	50
	कुल B		72	53	11	32	168
	कुल योग (A+B)		101	134	14	51	300
डीडीयू–जीकेवाई	महिला	हाँ	11	48	1	12	72
		नहीं	18	33	2	7	60
	कुल A		29	81	3	19	132
	पुरूष	हाँ	30	31	6	16	83
		नहीं	42	22	5	16	85
	कुल B		72	53	11	32	168
	कुल योग (A+B)		101	134	14	51	300
यूकेएसडीएम	महिला	हाँ	17	47	1	11	76
		नहीं	12	34	2	8	56
	कुल A		29	81	3	19	132
	पुरूष	हाँ	44	26	5	11	86
		नहीं	28	27	6	21	82
	कुल B		72	53	11	32	168
	कुल योग (A+B)		101	134	14	51	300
आरसेटी	महिला	हाँ	12	31	2	4	49
		नहीं	17	50	1	15	83
	कुल A		29	81	3	19	132
	पुरूष	हाँ	26	30	8	9	73
		नहीं	46	23	3	23	95
	कुल B		72	53	11	32	168
	कुल योग (A+B)		101	134	14	51	300

ईएसडीपी	महिला	हाँ	9	39	2	4	54
		न्हीं	20	42	1	15	78
	कुल A		29	81	3	19	132
	पुरूष	हाँ	28	34	6	14	82
		नहीं	44	19	5	18	86
	कुल B		72	53	11	32	168
	कुल योग (A+B)		101	134	14	51	300
जेएसएस	महिला	हाँ	14	34	1	6	55
		नहीं	15	47	2	13	77
	कुल A		29	81	3	19	132
	पुरूष	हाँ	21	24	5	14	64
		नहीं	51	29	6	18	104
	कुल B		72	53	11	32	168
	कुल योग (A+B)		101	134	14	51	300

स्रोत –प्राथमिक आकड़े

उपरोक्त तालिका संख्या 5 कौशल विकास योजनाओं के प्रति जागरूकता के सम्बध में लिंग का व्यवसाय के बीच विस्तृत विवरण है जिसमें इस तालिका से यह निष्कर्ष निकलता है कि 300 उत्तरदाताओ में योजनावार सबसे अधिक जागरूक पीएमकेवीवाई के प्रति 118 पुरूष नौकरी व्यवसाय के है जिसकी सख्या 58 है तथा सबसे कम जागरूकता जेएसएस के प्रति 55 महिला, अधिकतम स्वरोजगार/उद्यमी श्रेणी की जागरूक है जिसकी संख्या 34 है।

क्रॉस सारणीयन योजनावार जागरूकता का विवरण व्यवसाय का शैक्षिकस्तर से

तालिका संख्या 06

विवरण			**आयु वर्ग**				**योग**
			18.25	**26.35**	**36.40**	**41.45**	
पीएमकेवीवाई	नौकरी	हाँ	15	44	13	1	73
		नहीं	5	18	5	0	28
	कुल A		20	62	18	1	101
	स्वरोजगार/	हाँ	18	41	20	7	86
	उद्यमी	नहीं	8	22	14	4	48
	कुल B	26	63	34	11	134	

	ग्रहणी	हाँ	1	8	2	0	11
		नहीं	1	2	0	0	3
	कुल C	2	10	2	0	14	
	विद्यार्थी	हाँ	30	3	0	0	33
		नहीं	17	1	0	0	33
	कुल D	47	4	0	0	51	
	कुल योग (A+B+C+D)		95	139	54	12	300
डीडीयू–जीकेवाई	नौकरी	हाँ	6	23	12	0	41
		नहीं	14	39	6	1	60
	कुल A	20	62	18	1	101	
	स्वरोजगार /	हाँ	15	36	22	6	79
	उद्यमी	नहीं	11	27	12	5	55
	कुल B	26	63	34	11	134	
	ग्रहणी	हाँ	0	6	1	0	7
		नहीं	2	4	1	0	7
	कुल C	2	10	2	0	14	
	विद्यार्थी	हाँ	24	4	0	0	28
		नहीं	23	0	0	0	23
	कुल D	47	4	0	0	51	
	कुल योग (A+B+C+D)		95	139	54	12	300
यूकेएसडीएम	नौकरी	हाँ	10	35	15	1	61
		नहीं	10	27	3	0	40
	कुल A	20	62	18	1	101	
	स्वरोजगार /	हाँ	14	33	21	5	73
	उद्यमी	नहीं	12	30	13	6	61
	कुल B	26	63	34	11	134	
	ग्रहणी	हाँ	0	5	1	0	6
		नहीं	2	5	1	0	8
	कुल C	2	10	2	0	14	
	विद्यार्थी	हाँ	19	3	0	0	22
		नहीं	28	1	0	0	29

	कुल D	47	4	0	0	51	
	कुल योग (A+B+C+D)		95	139	54	12	300
आरसेटी	नौकरी	हाँ	11	23	4	0	38
		नहीं	9	39	14	1	63
	कुल A	20	62	18	1	101	
	स्वरोजगार /	हाँ	6	39	10	6	61
	उद्यमी	नहीं	20	24	24	5	73
	कुल B	26	63	34	11	134	
	ग्रहणी	हाँ	0	8	2	0	10
		नहीं	2	2	0	0	4
	कुल C	2	1	2	0	14	
	विद्यार्थी	हाँ	11	2	0	0	13
		नहीं	36	2	0	0	38
	कुल D	47	4	0	0	51	
	कुल योग (A+B+C+D)		95	139	54	12	300
जेएसएस	नौकरी	हाँ	2	18	15	0	35
		नहीं	18	44	3	1	66
	कुल A	20	62	18	1	101	
	स्वरोजगार /	हाँ	9	27	18	4	58
	उद्यमी	नहीं	17	36	16	7	76
	कुल B	26	63	34	11	134	
	ग्रहणी	हाँ	0	5	1	0	6
		नहीं	2	5	1	0	8
	कुल C	2	10	2	0	14	
	विद्यार्थी	हाँ	18	2	0	0	20
		नहीं	29	2	0	0	31
	कुल D	47	4	0	0	51	
	कुल योग (A+B+C+D)		95	139	54	12	300

स्रोत –प्राथमिक आकड़े

उपरोक्त तालिका संख्या 5 कौशल विकास योजनाओं के प्रति जागरूकता के सम्बध में व्यवसाय का शैक्षिक स्तर के बीच विस्तृत विवरण है जिसमें इस तालिका से यह निष्कर्ष

निकलता है कि 300 उत्तरदाताओ में पीएमकेवीवाई के प्रति सबसे अधिक जागरूक स्वरोजगार/उद्यमी क्षेत्र के है जिसकी सख्या 86 है जो कि 26 से 35 वर्ष आयुवर्ग के अधिकांश है तथा सबसे कम जागरूक जेएसएस के प्रति ग्रहणी है जिसकी संख्या 6 है जो कि 26 से 35 वर्ष आयुवर्ग के अपनी श्रेणी में अधिकतम जागरूक है तथा शेष कमतर है।

निर्ष्कष

अध्ययन का उद्देश्य उत्तराखण्ड में संचालित फ्लैगशिप कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमो की जागरूकता के स्तर का अध्ययन करना है जिसमे 18 से 45 वर्ष आयुवर्ग के 300 उत्तरदाताओं के संमको के विश्लेषण के आधार पर यह ज्ञात होता है की विभिन्न योजनाओं में सबसे अधिक जागरूकता पीएमकेवीवाई के प्रति पुरूषो की है और अधिकांश 26 से 35 वर्ष आयुवर्ग श्रेणी के और नौकरी व स्वरोजगार/उद्यमी क्षेत्र के है, वही सबसे कम जागरूकता प्रतिशत जेएसएस के प्रति है और महिला कम जागरूक है तथा लिंगवार जागरूकता में पीमएमकेवीवाई के प्रति महिला सबसे अधिक तथा आरसेटी के प्रति सबसे कम जागरूक है वही पुरूष में पीमएमकेवीवाई के प्रति अधिक जागरूक तथा जेएसएस के प्रति सबसे कम जागरूक है। आयुवर्ग वार पर यदि नजर डाले तो 35 वर्ष से ऊपर आयुवर्ग में सभी योजनाओं के प्रति जागरूकता का निम्म स्तर है और शैक्षिक में हाईस्कूल से नीचे जागरूकता का अति निम्म स्तर पाया गया है तथा व्यवसाय श्रेणी में ग्रहणी और विद्यार्थियों में जागरूकता का स्तर निम्न पाया गया है।

सुझाव

कौशल विकास एक बहुआयामी दृष्टिकोण है जो राष्ट्र निमार्ण में युवाओं की भागीदारी एवं दक्षता सुधार के साथ मुख्यधारा में लाने का महत्वकांक्षी योजना है। वर्तमान आधुनिक युग में विभिन्न प्रौद्योगिकी और संचार माध्यमों के उपलब्ध होने और इन शीर्षस्थ केन्द्रिय और प्रदेशिक योजनाओं के वृहद स्तर पर संचालन के बावजूद युवाओं में उच्च स्तर पर जागरूकता की कमी देखी गई है न्यादर्श आकड़ो अनुसार पीएमकेवाई एवं यूकेएसडीएम व डीडीयू–जीकेवाई की जागरूकता 50 से 67 प्रतिशत से के मध्य है अन्य योजना जैसे आरसेटी एवं ईएसडीपी व जेएसएस के प्रति जागरूकता 44 प्रतिशत के मध्य निम्न स्तर पर है। सरकार को इन योजनाओं को अन्तिम व्यक्ति/आवश्यक लोगो तक पहुचँ हेतु धरातल स्तर पर नोकरशाही समन्वय से जिला स्तर पर योजना समन्वयक को विश्वविद्यालय/महाविद्यालय एवं निकटवर्ती विद्यालयो के सहभागीदारी से समीप के क्षेत्रों में सघन जागरूकता अभियान संचालित करने की आवश्यकता है तथा आरसेटी की तर्ज पर जागरूकता कार्यक्रम का पृथक रूप से कलैन्डर तैयार कर इसको संचालित कर सम्बधित योजनाओं की भागीदारी लक्ष्य अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने की आवश्यकता है तथा विभिन्न योजनाओं के क्षेत्र का दायरा विस्तृत करने की आवश्यकता हैं।

सन्दर्भ

इसा, एम. एफ. (2017) प्रगतिशील भारतीय समाज में कौशल विकास के लिए शिक्षा की भूमिका. अकेडमिक सोशल रिसर्चः (पी), (ई) आईएसएसएनः 2456–2645

सिलवाल, के. और सोमनाथे, पी. (2021) उद्यमिता विकास मे कौशल विकास योजनाओ की भूमिका का अध्ययन IJRRS. 9(3) ISSN. 2347-5145

मौर्य, ए. के. और शुक्ल, जे. एस. (2022) ग्रामीण विकास मे कौशल विकास की भूमिका एव अपेक्षाओ का अवलोकनार्थ अध्ययन international journal of reviewed research in social sciences ISSN. 2454-2687. 10(4) 145-2

पटेल, एन, (2022) कुरूक्षेत्र अगस्त पृष्ट सं. 6

Saxsena, N. and Saxena, S. (2018) Road Map for Skill Development in India: A Path Ahead An international journal of research in management ISSN.2279-0373. p. 53-56

Sharma, P. (2021) A Study of Relationship between Employability and Skill Development in India. ISBN 978-81-949439-6-9.

Pandey, A. and Nema, D. K. (2017) Impact of Skill India Training Programme Among the Youth. international journal of multidisciplinary research and development ISSN. 2349-4182. vol-4(7)

FCCI Report on Skill Development in India

NSDC Report 2021

MSDE Report 2021

कुरूक्षेत्र पत्रिका

न्यू इण्डिया समाचार पत्रिका

योजना पत्रिका

अमर उजाला अखबार